कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.... 33118

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रवेशिका परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's

(In Figu

(In Word nty

two d

परीक्षार्थी urteen

शब्दों में -

चार

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी ☐

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन सोमवार

दिनांक 18-4-2022

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	11	19	03
2	06	20	03
3	12	21	04
4	02	22	03
5	02	23	04
6	02	24	
7	02	25	
8	02	26	
9	02	27	
10	02	28	
11	02	29	
12	02	30	
13	02	31	
14	02	योग	78
15	02	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	02	अंकों में	शब्दों में
17	03	78	अठहत्तर
18	03		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 70107

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 167/2020

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

1

शिक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भाग - अ

1 => वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तर =>

i) => [स] => जर्मनी

ii) => [द] => एक नए युग का सूत्रपात।

iii) => [स] => मदर टेरेसा ।

iv) => [अ] => स्थानांतरित कृषि ।

v) => [स] => नर्मदा नदी ।

vi) => [अ] => गेहूँ - जौ ।

vii) => [द] => ब्रूसेल्स ।

viii) => [द] => कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर ।

ix) => [स] => सरकारी कर्मचारियों से ।

x) => [अ] => संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ।

xi) => [अ] => उद्योग ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

xii) => [ब] => चीन

2) => रिक्त-स्थानों की पूर्ति =>

i) => बहुराष्ट्रीय कंपनी

ii) => जैव संसाधन

iii) => धर्मनिरपेक्षवादी

iv) => लोगी / लोगो

v) => सेवा क्षेत्रक

vi) => प्रौद्योगिकी

3) => अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नोत्तर =>

i) =>

क्योंकि मारीआन फ्रांस की "नारी रूपक" बन गई थी। इसी कारण से फ्रांस में रहने वाले लोगों में "त्याग, बलिदान, स्वतंत्रता, न्याय" आदि अमूर्त विचारों की उत्पत्ति के लिए "मारीआन" की प्रतिमा सार्वजनिक चौराहों पर लगाई

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

गई।

ii) => अफ्रिका में फैली "रिंडरपेस्ट बीमारी" ने।

iii) => अ संयुक्त राज्य अमेरिका (U.S.A.)।

iv) वनों से प्राप्त होने वाली दो वस्तुएँ =>
i) लकड़ी।
ii) फल, फूल तथा औषधियाँ।

v) => टाँका => पश्चिमी राजस्थान विशेषकर बाड़मेर, बीकानेर तथा फलौदी में छत वर्षा जल संग्रहण के लिए "भूमिगत टैंक" बनाया जाता है। जिसे "टाँका" कहते हैं।

vi) रेशेदार फसलें =>

a) कपास।
b) पटसन (जूट)।

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

vii) => 1948 में।

viii) => 22 भाषाओं को।

One ix) => असम का गण परिषद् आंदोलन।

x) =>

धारणीय विकास => विकास की प्रक्रिया पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना हो तथा वर्तमान विकास का स्तर ऊँचा हो एवं इसके साथ-साथ यह स्तर भावी पीढ़ियों के लिए बनाया रखा जाए। "इस प्रकार के संतुलित विकास को "~~स्थात~~ धारणीय विकास" कहते हैं।

xi) => हमारे अनुसार भारत में अधिकांश लोग "प्राथमिक क्षेत्रक (कृषि) में नियोजित हैं।

xii) => "दवाइयों" का।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

खण्ड - ब

लघुत्तरात्मक प्रश्नोत्तर =>

4) =>

2

- रूढ़ीवाद => ऐसा राजनीतिक दर्शन जो स्थापित संस्था, रीति रिवाजों तथा परम्पराओं पर जोर देता है, "रूढ़ीवाद" कहलाता हैं
- यह क्रमिक विकास प्रक्रिया अर्थात् धीमे विकास पर बल देता हैं न कि तेज विकास पर।

5) =>

2

- खेड़ा जिले के किसानों की फसल नष्ट हो गई थी। जिसके कारण उनकी खाद्य सूरक्षा संकट में पड़ी गई तथा अकाल पड़ गया।
इन्हीं कारणों के कारण खेड़ा जिले के किसान लगान चुकाने की हालत में नहीं थे।
- इसलिए उन्होंने लगान में कमी के लिए 1917 में खेड़ा किसान सत्याग्रह चलाया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

6) =>

आयात शुल्क

- => "किसी देश के भीतर दूसरी देश से आने वाली वस्तुओं पर उस देश द्वारा उसकी सीमा पर शुल्क/कर लिया जाता है।" जिसे आयात शुल्क" कहा जाता हैं
- आयात शुल्क पर अधिकार उस देश की सरकार का होता हैं

7) =>

समुदाय द्वारा वन संरक्षण =>

- राजस्थान के अलवर जीले के लोगों ने " सरिस्का वन्य जीव पशुविहार" में वन तथा वन्य जीवों के संरक्षण हेतु 1200 एकड़ भूमि "भैरोदेव डाकव सोंचुरी" घोषित कर दी। ये लोग स्वयं वहाँ के वन्य प्राणियों के आतायों का संरक्षण करते हैं तथा घुसपेट पर पांबदी लगाते हैं
- राजस्थान के खेजड़ली गाँव (जोधपुर) के विश्नोई समुदाय के लोग अपने क्षेत्र के वन्यप्राणियों (चिंकारा, नीलगाय, काले हिरण) तथा वनों की रक्षा करते हैं

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

- हिमालय क्षेत्र का "चीपको आंदोलन" वनों के संरक्षण से संबंधित हैं

- उड़ीसा का "संयुक्त वन प्रबंधन" कार्यक्रम क्षरित वनों की रक्षा करता हैं

8) ⇒
यदि मुझे भारत के जल संसाधन मंत्री के रूप में नदी घाटी परियोजना का मसौदा तैयार करने को कहा जाए तो मैं निम्न बातों का ध्यान रखुगा ⇒

a) मैं उस क्षेत्र, जहाँ परियोजना स्थापित करनी है, का क्षेत्रफल ध्यान में रखुगा।

b) दूसरी उसे उस जगह स्थापित करवाउगाँ जहाँ वे उद्योगों के निकट हो ताकि उनका लाभ औद्योगिक क्षेत्र को ज्यादा मिले। तथा देश की अर्थव्यवस्था का विकास हो।

c) मैं तृतीय वहाँ के क्षेत्रफल के अनुसार तथा नदी के चौड़ाई के अनुसार बाँध की ऊँचाई तथा उसकी चौड़ाई निर्धारित करुगाँ।

d) चतुर्थ मैं बहुउद्देशीय परियोजना को स्थानीय किसानों के उद्देश्य जैसे → सिंचाई आदि के आधार पर भी तैयार करवाउगाँ।

P.T.O. →

2

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

9) =>

कार्बनिक खेती =>

2

- इस प्रकार की खेती बिना किसी प्रकार के रासायनिक उर्वरको तथा कीटनाशकों की सहायता से की जाती है। के अभाव में तथा खाद कम्पोस्ट
- यह कृषि पर्यावरण के लिए हितैषी है।
- इससे मृदा की प्राकृतिक उर्वरता बढ़ती है।

1

10) => "नियंत्रण एवं संतुलन व्यवस्था।"

2

=> इसे सत्ता का "क्षैतिज वितरण" भी कहते है।

=> इसमें कार्यपालिका सत्ता का उपयोग जरूर करती है परंतु वह संसद के आधिन होकर कार्य करती है।

=> कार्यपालिका, न्यायपालिका का चुनाव करती है किंतु न्यायपालिका, कार्यपालिका तथा विधायिका द्वारा बनाए गए कानूनों

Sl.No. : 03303

नामांक Roll No.

3	7	2	2	4	1	4

प्रश्न संख्या 23 =>

P–08–Social Science

प्रवेशिका परीक्षा, 2022

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2022

सामाजिक विज्ञान

SOCIAL SCIENCE

4

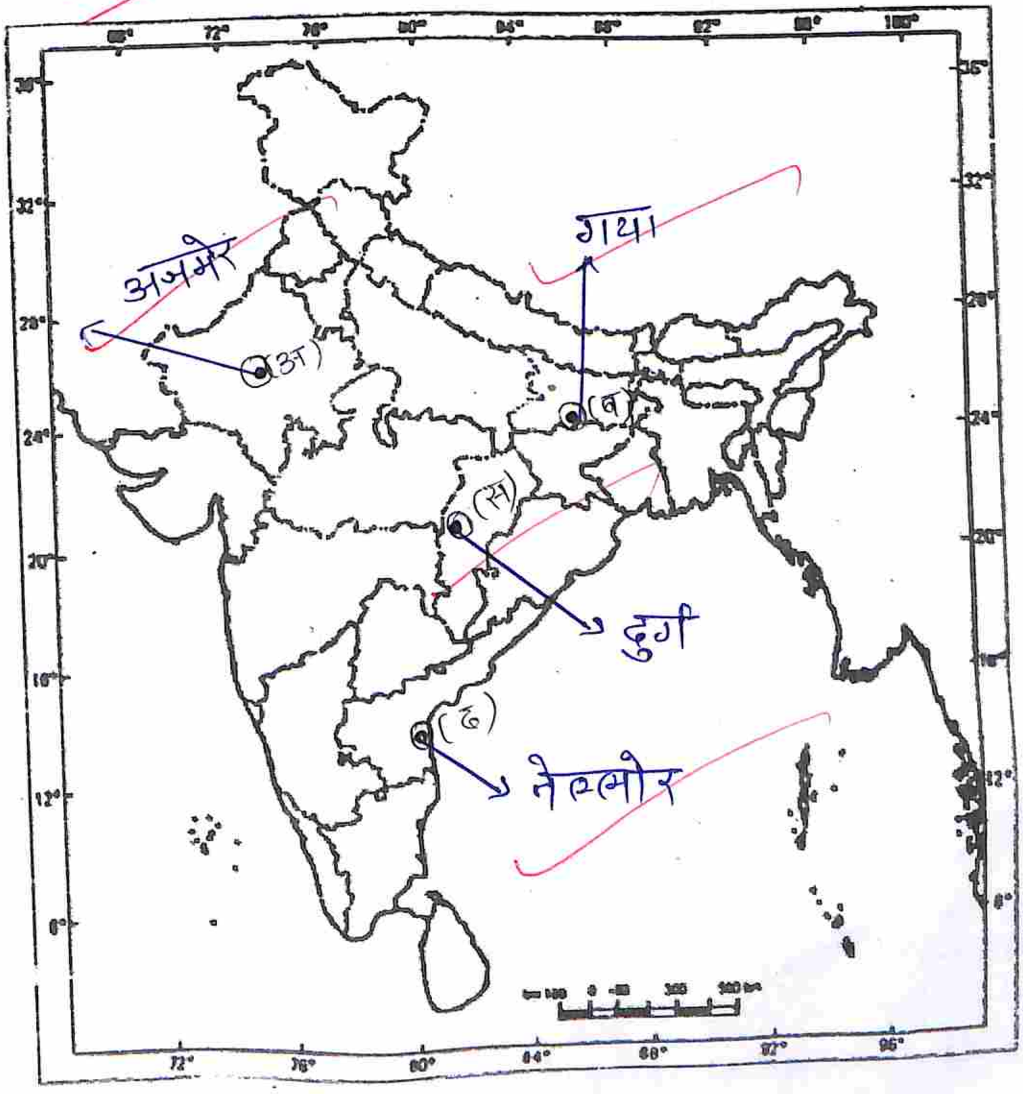

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

पर अंकुश रखती हैं।

=> इस व्यवस्था में सरकार के तीनों अंग एक ही स्तर पर रहकर कार्य करते हैं।

11) => संघीय शासन व्यवस्था की दो विशेषताएँ =>

2

अ) => इस प्रकार की व्यवस्था में देश की सर्वोच्च सत्ता केंद्रीय प्राधिकार तथा उसकी आनुषंगिक इकाईयों में बँटी होती हैं।

ब) => इसमे सत्ता दो या दो से अधिक स्तरों वाली होती हैं तथा राज्य सरकार तथा केंद्र सरकार के बीच शक्तियों का विभाजन होता है।

12) => वर्ग विशेष के हित समूह =>

2

इस प्रकार के हित समूह समाज के किसी खास तबके अथवा वर्ग जैसे किसी जाती विशेष, धर्म विशेष, ~~व्यवस्था~~ मसलन मजदूर के हितो की रक्षा तथा प्रतिनिधित्व करते हैं।

BSEB-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

इनका सरोकार पूरे समाज की कल्याणक नहीं होता है बल्कि अपने सदस्यों का कल्याण करना होता है।

उदाहरण

⇒ i) व्यवसायिक संघ
ii) कर्मचारी संघ
iii) मजदूर संगठन आदि।

• जन सामान्य के हित समूह ⇒

• इन्हें "लोककल्याणकारी" समूह भी कहा जाता है।
• ये किसी विशेष वर्ग की बजाय सम्पूर्ण समाज के हितों की नुमाइंदगी करते हैं।
• ये वर्ग विशेष के हित की बजाय सामूहिक हित का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उदाहरण ⇒

i) BAMCEF संगठन।

ii) बोलिविया का FEDECOR संगठन

P.T.O →

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

13> => गैर नवीकरणीय संसाधन =>

2

=> ये वे संसाधन है जिन्हें एक बार उपयोग करने के बाद समाप्त हो जाते है। तथा भौतिक, यांत्रिक तथा रासायनिक प्रक्रियाओं द्वारा पुनः "नवीकृत" अथवा "उत्पन्न" "नहीं" किया जा सकता है।
"गैर-नवीकरणीय योग्य" संसाधन कहलाते हैं।

=> उदाहरण =>

(a) → जीवाश्मी ईंधन

(b) → धातुएँ तथा खनिज संसाधन आदि।

14> => प्राथमिक क्षेत्रक की दो गतिविधियाँ =>

2

a> => कृषि

b> => डेयरी, मत्स्यन ~~तथा~~ आदि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

15) =>

निर्धनों के स्वयं सहायता समूहों के दो लाभ

=> (a) => इससे महिलाएँ स्वावलंबी हो जाती है तथा उन्हें बैठक के दौरान सामाजिक विषयों जैसे => स्वास्थ्य पोषण तथा घरेलु हिंसा आदि पर चर्चा करने का मंच मिल जाता है।

=> (b) => ~~उससे~~ यह "समर्थक ऋणाधार" जैसी समस्या से छुटकारा पाने में सहायता प्रदान करता है।

16) =>

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वे कंपनियाँ है जो विश्व भर में अपने उत्पादन पर नियंत्रण रखती है।

- ~~यह~~ ये कंपनियाँ विश्व स्तर पर उत्पादन करती है तथा "वैश्वीकरण" की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

- ये कंपनियाँ उन स्थानों पर कारखाने स्थापित करती है जहाँ उनके लिए सस्ता कुशल तथा अकुशल श्रम उपलब्ध हो, उत्पादन के अन्य कारकों की

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा कारखाना बाजार के निकट हो। इसके साथ-साथ ये सरकारी नीतियों पर भी नजर रखती है।

• बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ देश की स्थानीय कंपनियों के साथ मिलकर उत्पादन में विस्तार करती है।

खण्ड -स

दीर्घउत्तरीय प्रश्नोत्तर =>

17 =>

उदारवादी राष्ट्रवाद की तीन विशेषताएँ =>

3

i) => मध्यवर्गीय लोगों के लिए उदारवाद का मतलब व्यक्ति के लिए आजादी तथा कानून के समक्ष सबकी बराबरी है।

ii) => राजनीतिक रूप से उदारवाद सबकी सहमति से बनी हुई सरकार पर बल देता है। तथा संवैधानिक एवं संसदीय प्रतिनिधि की सरकार पर भी बल देता है। यह कुलीन वर्ग के विशेषाधिकारों तथा

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

तथा निरंकुश शासकों की समाप्ति पर बल देता हैं।

ii (b) =>

आर्थिक रूप से उदारवादी - राष्ट्रवाद बाजारों की मुक्ति तथा राज्य द्वारा सीमा पर लगाए गए नियंत्रणों की समाप्ति पर बल देता हैं।

3

18) =>

समाप्यता के आधार पर संसाधनों का वर्गीकरण =>

(a) नवीकरणीय योग्य संसाधन

(b) गैर-नवीकरणीय योग्य संसाधन

(a) नवीकरणीय योग्य संसाधन => वे संसाधन

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

जिन्हें भौतिक, यांत्रिक तथा रासायनिक क्रियाओं द्वारा नवीकृत अथवा पुनः उत्पन्न किया जा सकता है नवीकरणीय योग्य संसाधन कहलाते हैं

उदाहरण => नवीकरणीय योग्य संसाधन

सतत अथवा प्रवाह => जल एवं वायु

जैव => वन तथा वन्य जीव संसाधन

b) अनवीकरणीय योग्य संसाधन => वे संसाधन जो एक बार समाप्ति के बाद पुनः किसी भी प्रक्रिया द्वारा उत्पन्न तथा नवीकृत "नहीं" किए जा पुनः सकते हैं "अनवीकरणीय योग्य संसाधन" कहलाते हैं

उदाहरण =>

P.T.O

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020

अनवीकरणीय संसाधन

(a) अचक्रीय ⇒ जीवाश्मी ईंधन

(b) पुनःचक्रीय ⇒ धातुएँ

17) ⇒

* सामाजिक भेदभाव की उत्पति *

• जब किसी समाज में सामाजिक अंतर । अन्य अंतरों उपस्थित एवं तथा बड़ा हो जाता है तो सामाजिक विभाजन की स्थिति उत्पन्न हो जाती है ⇒

<u>जैसे</u> ⇒ अमेरिका में नस्ल आधारित अंतर अन्य सामाजिक अंतरों से बड़ा हो गया। फलस्वरूप रंग के आधार समाज दो भागों में बँट गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(a) श्वेत लोग।
(b) अश्वेत लोग (एफ्रो अमरिकी)

इसके साथ ही जब समाज में उपस्थित सामाजिक विभिन्नताएँ एक दूसरे के साथ पूर्ण रूप से गूंथ जाती है तो सामाजिक विभाजन की जमीन तैयार होने लगती हैं।

उदाहरण => उत्तरी आयरलैंड में प्रोटेस्टेंटो (53%) तथा कैथोलिको (44%) के बीच धर्मों के आधार पर सामाजिक विभाजन इसका एक महत्वपूर्ण उदाहरण हैं।

3

20) => बैंकों से हमें निम्नलिखित तीन सुविधाएँ उपलब्ध होती है =>

i) बैंक हमें में हम अपनी नकद राशि को खाता खोलकर जमा अथवा निवेश कर सकते हैं इस पर सूद भी मिलता है।

ii) बैंक ऋण की आवश्यकता वाले लोगों को ऋण की सुविधाएँ भी उपलब्ध

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

करवाता हैं।

iii) बैंक हमें हमारी राशि निकालने के लिए "चैक" अथवा "माँग जमा" की सुविधा भी प्रदान करता हैं जिसके द्वारा हम इच्छानुसार खातों से रूप नकद निकाल सकते हैं।

खण्ड - द

21) =>

असहयोग आंदोलन के द्वारा शहरों की गतिविधियाँ =>

जनवरी 1921 में जब आंदोलन शुरू हुआ तो शहर के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

- उन्होंने शराब की दुकानों की पिकेटिंग की।
- विदेशी वस्तुओं तथा विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार किया गया।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

- लोगों ने सेना तथा पुलिस का बहिष्कार किया।
- सरकारी अध्यापकों, हेडमास्टरों तथा विद्यार्थियों ने स्कूल - कॉलेज छोड़ दिए।
- भारत में मद्रास के अलावा सभी प्रांतों में विदेशी विद्यार्थी परिषदों का बहिष्कार किया गया।
- लोगों व्यापारियों तथा उद्योगपतियों ने विदेशी वस्त्रों के व्यापार तथा आयात पर पाबंदी लगाई। जिसके कारण भारतीय बुनकरों को लाभ हुआ।
- इसके साथ ही लोगों के सरकारी पदवियों को लौटा दिया। महात्मा गाँधी ने भी अपनी "कैसर - ए - हिंद" की उपाधी लौटा दी।

P.T.O. ⇒

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

22) =>

धर्मनिरपेक्ष शासन के लिए भारतीय संविधान में प्रावधान =>

3

- हमारे देश में किसी भी धर्म को राजकीय धर्म नहीं माना गया है सभी धर्म समान हैं जबकि कई देशों जैसे => इंग्लैण्ड मे इसाई, श्रीलंका में बौद्ध तथा पाकीस्तान में मुस्लिम आदि धर्मों को राजकीय धर्म माना गया हैं।

- हमारे संविधान में स्पष्ट रूप से प्रावधान है कि => "किसी भी नागरिक को किसी भी धर्म अपनाने की आजादी हैं।

- संविधान में किसी भी प्रकार के धार्मिक भेदभावों को असंवैधानिक घोषित किए गए हैं।

- हमारा संविधान धार्मिक समुदायों में समानता सुनिश्चित करने के लिए शासन को धार्मिक मामलों में दखल देने का अधिकार देता हैं।

BSER-167/2020

क्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

"समाप्त"

"Thanking You"
(आपका धन्यवाद)

BSER-167/2020

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-167/2020